GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.125
ANSWERED ON 12.02.2021

DELAY IN COMPLETION OF ONGOING RAILWAY PROJECTS

***125. DR. BHAGWAT KARAD:**

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been delays in the completion of ongoing railway projects;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government has conducted any study to ascertain the reasons for the delays;

(d) if so, the details thereof; and;

(e) the main reasons for delaying of ongoing projects and its effects on the upcoming projects of Railways and the quantum of loss accrued to Railways due to this?

ANSWER

MINISTER OF RAILWAYS
(SHRI PIYUSH GOYAL)

(a) to (e): A Statement is laid on the Table of the House.

*****

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (e) OF STARRED QUESTION NO.125 BY DR. BHAGWAT KARAD ANSWERED IN RAJYA SABHA ON 12.02.2021 REGARDING DELAY IN COMPLETION OF ONGOING RAILWAY PROJECTS

(a) to (e): As on 01.04.2020, 513 Railway projects of 53,039 km length, costing approx. `7.5 lakh Crore are in different stages of planning/sanction/execution, out of which 10,013 km length has been commissioned and an expenditure of `1.86 lakh crore has been incurred upto March, 2020. These include:-

(i) 189 New line projects of 21,343 km length, costing `4,04,853 crore, out of which commissioning of 2,633 km length has been achieved and expenditure of `94,575 crore has been incurred upto March, 2020.

(ii) 54 Gauge Conversion projects of 7,003 km length, costing `59,699 crore, out of which commissioning of 3,733 km length has been achieved and expenditure of `23,405 crore has been incurred upto March, 2020.

(iii) 270 Doubling projects of 24,693 km length, costing `2,85,324 crore, out of which commissioning of 3,647 km length has been achieved and expenditure of `67,816 crore has been incurred upto March, 2020.

Completion of a Railway project(s) depends on various factors like expeditious land acquisition by State Government, forest clearance by officials of forest department, shifting of infringing utilities, statutory clearances from various authorities, geological and topographical conditions of area, law and order situation in the area of project site, number of working months in a year for particular project site due to climatic conditions etc. and all these factors differ from project to project and affect the completion time and cost of the project(s).

Various steps being taken by the Government for effective and speedy implementation of rail projects include (i) prioritisation of projects (ii) substantial increase in allocation of funds on priority projects (iii) delegation of powers at field level (iv) close monitoring of progress of project at various levels (v) regular follow up with State Governments and concerned authorities for expeditious land acquisition, forestry and Wildlife clearances and for resolving other issues pertaining to projects. This has resulted in substantial increase in pace of execution of projects from 2014 onwards. During the

period 2014-2020, 15,350 km length (3,395 km of New Line, 4,401 km of Gauge Conversion and 7,554 km of Doubling) were commissioned at an average of 2558 km per year which is 68% more as compared to average commissioning of 1520 km per year during the period 2009-14.

*****

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

12.02.2021 के

तारांकित प्रश्न सं. 125 का उत्तर

चालू रेल परियोजनाओं के पूरा होने में विलम्ब होना

***125. डॉ. भागवत कराड़:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि चालू रेल परियोजनाओं के पूरा होने में विलम्ब हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने विलम्ब के कारणों का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन कराया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) चालू परियोजनाओं के विलम्ब के मुख्य कारण क्या हैं और रेलवे की आगामी परियोजनाओं पर इसके क्या प्रभाव पड़े हैं तथा इसके कारण रेलवे को कितना नुकसान हुआ है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

चालू रेल परियोजनाओं के पूरा होने में विलम्ब होने के संबंध में दिनांक 12.02.2021 को राज्य सभा में डॉ. भागवत कराड़ द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं.125 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ड.): 01.04.2020 की स्थिति के अनुसार, 7.5 लाख करोड़ रु. की लागत पर 53,039 कि.मी. लंबाई की कुल 513 रेल परियोजनाएं योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें से 10,013 कि.मी. लंबाई को यातायात के लिए खोल दिया गया है और मार्च 2020 तक 1.86 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

(i) 4,04,853 करोड़ रु. की लागत पर 21,343 कि.मी. लंबाई की कुल 189 नई लाइन परियोजनाओं में से, 2,633 कि.मी. लंबाई की कमीशनिंग करके लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है और मार्च 2020 तक 94,575 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

(ii) 59,699 करोड़ रु. की लागत पर 7,003 कि.मी. लंबाई की कुल 54 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से, 3,733 कि.मी. लंबाई की कमीशनिंग करके लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है और मार्च 2020 तक 23,405 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

(iii) 2,85,324 करोड़ रु. की लागत पर 24,693 कि.मी. लंबाई की कुल 270 दोहरीकरण परियोजनाओं में से, 3,647 कि.मी. लंबाई की कमीशनिंग करके लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है और मार्च 2020 तक 67,816 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

रेल परियोजना (परियोजनाओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृति, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परस्थितियों के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना-दर-परियोजना भिन्न-भिन्न होते हैं और परियोजना (परियोजनाओं) के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

सरकार द्वारा रेल परियोजनाओं के प्रभावी और शीघ्र क्रियान्वयन के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं, इनमें शामिल हैं (i) परियोजनाओं की प्राथमिकता (ii) प्राथमिकता परियोजनाओं पर निधि के आबंटन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी (iii) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (iv) विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की प्रगति पर गहन निगरानी (v) भूमि का शीघ्र अधिग्रहण करने, वानिकी और वन्य जीव क्लीयरेंस तथा परियोजनाओं से संबंधित अन्य मामलों के समाधान के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों से नियमित रूप से अनुसरण करना। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2014 से परियोजनाओं के निष्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। 2014-2020 की अवधि के दौरान, 2,558 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर पर 15,350 कि.मी. लंबाई (3,395 कि.मी. नई लाइन, 4,401 कि.मी. आमान परिवर्तन और 7,554 कि.मी. दोहरीकरण) की लाइनें चालू की गई हैं, जो 2009-14 की अवधि के दौरान 1520 कि.मी. प्रति वर्ष लाइनें चालू करने की तुलना में 68% अधिक है।

*****

डा. भागवत कराड़ : सर, मराठवाड़ा, महाराष्ट्र में एक बैकवर्ड रीजन है और इस रीजन में मंत्री महोदय ने मनमाड से नांदेड़ तक रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन किया है, इसलिमए मैं उनका अभिनन्दन करना चाहता हूँ। सर, मेरा क्वेश्चन है कि मनमाड से परभनी , जो 225 किलोमीटर है, उसका डबलीकरण कब तक हो जाएगा?

श्री पीयूष गोयल : सर, मुझे इस सदन को आपके माध्यम से यह बताते हुए खुशी हो रही है कि माननीय प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी, जिनका स्वयं बचपन में रेलवे से काफी जुड़ाव था, उनका बचपन रेलवे स्टेशन पर गुजरा, उनको यह ध्यान में था कि भारत के नागरिकों और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए रेलवे की व्यवस्थाओं का कितना महत्व है। उसके लिए मैं इस सदन के सामने एक परिप्रेक्ष्य जरूर रखना चाहूँगा। वर्ष 2009 से 2014 के बीच, जहाँ हर वर्ष अलग-अलग CAPEX के ऊपर ऐवरेज 45,000 करोड़ रुपये इन्वेस्ट होते थे, वहीं वह बढ़ते-बढ़ते वर्ष 2020-21 में 1 लाख, 60 हज़ार करोड़ हो गया।

श्री सभापति : क्या यह मनमाड के बारे में जानकारी है?

श्री पीयूष गोयल : मैं बता रहा हूँ, सर।

श्री सभापति : नहीं, सवाल पर आइए। आप विस्तार से बता रहे हैं, ठीक है।

श्री पीयूष गोयल : सर, मैं सवाल पर ही आ रहा हूँ। वर्ष 2021-22 में उसको बढ़ाकर 2 लाख 15 हज़ार करोड़ रुपये कर दिया गया। यानी, CAPEX five times बढ़ाने के बाद भी आज लगभग 8 लाख करोड़ के ऐसे प्रोजेक्ट्स अलग-अलग प्रदेशों में चल रहे हैं, जिनके लिए इतना खर्चा करने के बाद विलंब हो रहा है। मैं उसकी जिम्मेदारी पूरे तरीके से - पहले जो राजनीतिक कारणों से प्रोजेक्ट्स को एप्रूव किया जाता था..

श्री सभापति : इसमें मनमाड के बारे में जानकारी है क्या?

श्री पीयूष गोयल : नहीं।

श्री सभापति : नहीं, तो फिर छोड़ दीजिए। सेकंड सप्लीमेंटरी।

श्री पीयूष गोयल : मैं मनमाड के स्पेसिफिक प्रोजेक्ट की जानकारी उनको दे दूँगा।
...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : सेकंड सप्लीमेंटरी।

डा. भागवत कराड़ : सर, मेरा सेकंड सप्लीमेंटरी क्वेश्चन यह है कि औरंगाबाद शहर में साउथ-सेंट्रल रेलवे से पिट लाइन रिकमंड हो चुकी है। इस पिट लाइन के लिए बहुत सारे सर्वेज़ हो चुके हैं- औरंगाबाद से चालीसगाँव, औरंगाबाद से बीड और औरंगाबाद से पुणे। मैं यह पूछना चाहता हूँ कि इसका काम कब तक चालू हो जाएगा?

श्री सभापति : आपने सवाल में स्पेसिफिकली नहीं पूछा है। आप मंत्री जी को स्पेसिफिकली लिखिए, वे आपको स्पेसिफिकली जवाब देंगे।

श्री पीयूष गोयल : माननीय सभापति जी, मैं इसीलिए वह परिप्रेक्ष्य दे रहा था। पहले इतने सारे प्रोजेक्ट्स सैंक्शन होते थे और बिना पर्याप्त आवंटन के उसके बारे में अनाउंस करके माननीय सांसदों को भ्रमित किया जाता था। ...(**व्यवधान**)...

10.00 **A.M.**

श्रीमती रमीलाबेन बेचरभाई बारा : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी को धन्यवाद करती हूं कि अहमदाबाद से Himmatnagar होकर Khedbrahma तक चलने वाली meter gauge railway line का broad gauge में रूपांतरण किया, उसका काम पूरा हुआ और हिम्मतनगर तक रेल शुरू हो गई, परंतु Himmatnagar से Khedbrahma तक करीब 40 किलोमीटर रेलवे लाइन का broad gauge में रूपांतरण करने का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ, वह कब शुरू होगा और जनता को रेल का लाभ कब मिलेगा?

श्री सभापति : यह तो मांग है। अभी उनके पास जवाब ready नहीं होगा। वे आपको इसकी जानकारी लेकर भेजेंगे।

SHRI M. SHANMUGAM: Mr. Chairman, Sir, doubling of railway line from Thanjavur to Villupuram, via Kumbakonam, Mayiladuthurai and Chidambaram has been long-pending. What is the progress in this matter?

MR. CHAIRMAN: That is also a specific question. You have to write to the Minister. The Minister will take note of it and inform you. See, देश में इतनी रेलवे लाइन्स, रेलवे स्टेशंस और इतने ब्रिजेज़ पेंडिंग हैं तो उन सबकी जानकारी readily available नहीं होगी।

SHRI JAIRAM RAMESH: The Minister should come prepared. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: How can he prepare? ...(*Interruptions*)... What is the question?

...*(Interruptions)*... No; no, it is supplementary. ...*(Interruptions)*... Please try to understand. ...*(Interruptions)*... मंत्री जी तैयार हैं, तब भी मेरा यह कहना है कि जो सवाल पूछा जाए, वह मेन सवाल से संबंधित होना चाहिए। अगर कोई स्पेसिफिक सवाल पूछा जाएगा तो उसको नोट करके बाद में वे जवाब दे देंगे। If he knows, he will tell. But, then, you will start saying that he is telling more than what is required. ...*(Interruptions)*... Please don't make any comments. ...*(Interruptions)*...

Now, Shri Syed Zafar Islam.

श्री सैयद जफर इस्लाम : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से एक छोटी सी जानकारी चाहता हूं। वैसे तो यह स्पेसिफिक प्रोजेक्ट के बारे में है, as you rightly said that he may not have all the details, but मैं हज़ारीबाग के बारे में एक छोटी सी जानकारी लेना चाहता हूं। मैं जब से पैदा हुआ हूं, तब से वहां के बारे में सुनता हूं कि रेलवे प्रोजेक्ट आ रहा है - मैं इनको बधाई देना चाहता हूं कि हमारी सरकार के आने के बाद अब वह momentum दिख रहा है। वहां लोगों की एक छोटी सी रिक्वेस्ट थी कि वहां पर जो प्रोजेक्ट चल रहा है, हज़ारीबाग से, बरकाकाना से और कोडरमा से कनेक्ट करने के लिए जो प्रोजेक्ट चल रहा था, उसमें momentum तो है, लेकिन वह कब तक खत्म होगा? उसकी जानकारी यदि माननीय मंत्री जी देंगे तो मैं उनका आभारी रहूंगा।

श्री सभापति : मंत्री जी, आप उसको नोट करके बाद में जानकारी भेज दीजिएगा।

श्री पीयूष गोयल : महोदय, मैं इसीलिए परिप्रेक्ष्य दे रहा था, क्योंकि मुझे ध्यान था कि सभी को चिंता है और मेरी भी इच्छा है कि सब प्रोजेक्ट्स जल्दी complete हों। पहले काफी लोगों को announcement करके और प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त पैसा न देकर भ्रमित किया गया था, लेकिन अब मोदी सरकार के आने के बाद तेज गति से प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं।